वैश्विक तेल कीमतों पर OPEC+ की पकड़ को चीन की चुनौती

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2025 में, दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक देश **चीन** ने भंडारण (Storage) के लिए अपनी खरीद को बढ़ाकर या घटाकर वैश्विक तेल बाजार में एक प्रमुख 'मूल्य स्थिरता कारक' (Price Stabiliser) के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। चीन के इस व्यवहार ने **OPEC** और **OPEC+** की तेल की कीमतें निर्धारित करने वाली पारंपरिक भूमिका को कम कर दिया है। यह एक बड़ा बदलाव है जो 2026 में तेल की कीमतों के निर्धारण को प्रभावित करेगा।

समाचार का विस्तार: मांग बनाम आपूर्ति का खेल

पारंपरिक रूप से, तेल की कीमतें मुख्य रूप से तेल उत्पादक देशों, विशेष रूप से OPEC+ के उत्पादन निर्णयों (कितना तेल निकालना है) से तय होती थीं। हालांकि, 2025 में एक नया पैटर्न देखा गया:

- **रणनीतिक भंडारण:** चीन ने अपनी खपत और निर्यात की आवश्यकता से अधिक कच्चा तेल आयात किया।
- **प्राइस फ्लोर और सीलिंग:** जब वैश्विक कीमतें गिरीं, तो चीन ने अधिक तेल खरीदा (मूल्य को सहारा दिया)। जब कीमतें बढ़ीं, तो चीन ने खरीद कम कर दी (कीमतों को और अधिक बढ़ने से रोका)।
- **नतीजा:** चीन के इस रुख ने ब्रेंट क्रूड की कीमतों को लगभग **$65 प्रति बैरल** के आसपास स्थिर कर दिया। अब OPEC+ के उत्पादन कटौती के निर्णयों की तुलना में चीन के भंडारण निर्णय अधिक प्रभावशाली हो गए हैं।

संक्षेप में: उत्पादक (OPEC+) आपूर्ति को नियंत्रित करते हैं, लेकिन चीन अब मांग (Demand) को नियंत्रित कर रहा है।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)

OPEC क्या है?

यह प्रमुख तेल निर्यातक देशों का एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन है। इसका उद्देश्य अपनी पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय करना और उपभोक्ताओं के लिए स्थिर तेल बाजार सुनिश्चित करना है।

- **स्थापना:** 1960 (बगदाद सम्मेलन)

- **संस्थापक सदस्य:** ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला।
- **वर्तमान सदस्य (12):** अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और वेनेजुएला।
- **मुख्यालय:** वियना, ऑस्ट्रिया।

उद्देश्य:

1. तेल की कीमतों में स्थिरता लाना।
2. उपभोक्ताओं को तेल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना।
3. तेल उत्पादकों के लिए निवेश पर उचित रिटर्न सुनिश्चित करना।

मुख्य तथ्य:

- दुनिया के लगभग **80% प्रमाणित तेल भंडार** इन्ही देशों के पास हैं।
- निर्णय **सर्वसम्मति** (Consensus) से लिए जाते हैं।
- यह **'वर्ल्ड ऑयल आउटलुक'** (World Oil Outlook) रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

OPEC+ (ओपेक प्लस / वियना ग्रुप)

OPEC+ क्या है?

यह 2016 में बना तेल उत्पादकों का एक विस्तारित गठबंधन है। इसमें शामिल हैं:

@resultmitra www.resultmitra.com

1. OPEC के सभी सदस्य।
2. 10 अन्य प्रमुख गैर-OPEC तेल निर्यातक देश।

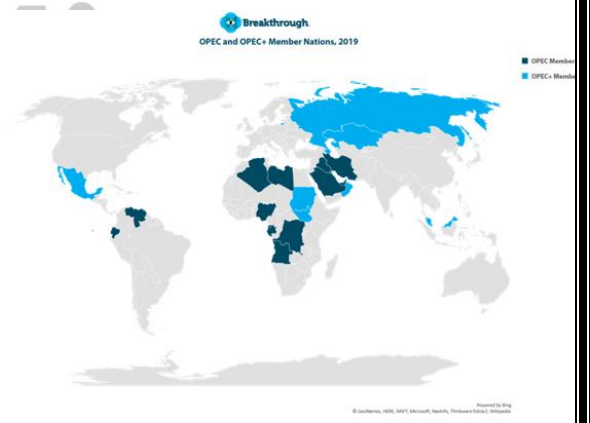

प्रमुख गैर-OPEC सदस्य: रूस, कजाकिस्तान, अजरबैजान, ओमान, मैक्सिको, मलेशिया, बहरीन, ब्रुनेई, दक्षिण सूडान और सूडान।

गठन का कारण:

- तेल की कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकना।
- अमेरिकी शेल गैस (Shale Gas) से मिलने वाली चुनौती का सामना करना।
- अतिरिक्त आपूर्ति और गिरती मांग के बीच बाजार को संतुलित करना।

भारत के लिए OPEC और OPEC+ का महत्व

भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए इन समूहों पर अत्यधिक निर्भर है:

- **निर्भरता:** भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग **85% आयात** करता है।
- **स्रोत:** इस आयात का लगभग **70%** हिस्सा अकेले OPEC देशों से आता है।
- **आर्थिक प्रभाव:** तेल की कीमतों में थोड़ी सी भी वृद्धि भारत में निम्नलिखित को प्रभावित करती है:
    - **मुद्रास्फीति (Inflation):** परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई बढ़ती है।
    - **राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit):** सरकार पर सब्सिडी का बोझ बढ़ता है।
    - **चालू खाता घाटा (Current Account Balance):** आयात के लिए अधिक विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है।

UPSC प्रीलिम्स प्रैक्टिस क्वेश्चन्स:

प्रश्न 1: पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. OPEC की स्थापना 1960 में बगदाद सम्मेलन में हुई थी।
2. OPEC में सभी निर्णय बहुमत मतदान द्वारा लिए जाते हैं।
3. OPEC सदस्य देशों के पास दुनिया के लगभग 80% प्रमाणित कच्चे तेल के भंडार हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही हैं?

A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B

प्रश्न 2: OPEC और संबंधित संस्थानों के संदर्भ में निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए:

संगठन	स्थान
1. OPEC सचिवालय	वियना
2. OPEC अंतर्राष्ट्रीय विकास कोष	वियना

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

3. OPEC+ स्थायी सचिवालय वियना में

उपर्युक्त में से कौन-से जोड़े सही हैं?

A) केवल 1
B) केवल 1 और 2
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B

प्रश्न 3: OPEC+ के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. OPEC+ की स्थापना 2016 में सहयोग की घोषणा (Declaration of Cooperation) के माध्यम से हुई थी।
2. यह केवल मध्य पूर्व के तेल-निर्यातक देशों से बना है।
3. रूस OPEC+ का एक प्रमुख गैर-OPEC सदस्य है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही हैं?

A) केवल 1 और 3
B) केवल 1
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: A

प्रश्न 4: निम्नलिखित देशों में से कौन OPEC का सदस्य हैं?

- सऊदी अरब
- UAE
- रूस
- नाइजीरिया

सही उत्तर का चयन कीजिए:

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

A) केवल 1 और 2

B) केवल 1, 2 और 4

C) केवल 1, 3 और 4

D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: B

प्रश्न 5: भारत की ऊर्जा सुरक्षा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 70% OPEC देशों से आयात करता है।
2. OPEC के उत्पादन निर्णयों में बदलाव का भारत में मुद्रास्फीति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
3. भारत OPEC+ का सदस्य है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही हैं?

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1

D) 1, 2 और 3

उत्तर: A

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806